गन्ना फसल का अवलोकन करते वैज्ञानिक व प्रशिक्षु जागरण

व्यवसाय की तरह खेती को समझें किसान

संवादसूत्र, बिसवां (सीतापुर) : किसान खेती को व्यवसाय की तरह समझो, तभी इससे अधिक लाभ अर्जित कर सकेंगे। खेती की पुरानी पद्धति छोड़कर वैज्ञानिक विधि अपनाए और आर्थिक उन्नति करें। यह बात भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के कृषि वैज्ञानिक डॉ. एके शाह ने कृषि विभाग के प्रशिक्षुओं के साथ क्षेत्र में गन्ना फसल का अवलोकन करते समय कही।

टीम ने प्रगतिशील किसान आदित्यनाथ सिंह के ग्राम खेभापुरवा में कृषि फार्म पर उन्नतिशील खेती का जायजा लिया और वैज्ञानिक विधियों के प्रयोग की बारीकियां देखीं। डॉ. शाह ने कहा कि प्रदेश का किसान काफी जागरूक हो चुका है और नई तकनीक से खेती कर रहा है, जिससे प्रदेश उन्नति कर रहा है। किसानों की स्थिति सुधरी है और वह काफी आत्मनिर्भर व सशक्त बने हैं। सह फसली खेती ने किसानों को काफी फायदा पहुंचाया है। गन्ना प्रबंधक डॉ. रामवीर सिंह ने बताया कि गन्ने के साथ लहसुन, प्याज, आलू, मटर, धनिया, मिर्च, सरसों, मसूर, चुकंदर, मूली आदि की खेती से किसानों को फायदा हो रहा है। इसके बाद मुख्य अधिशासी अरसी सिंघल, जीएम केन डॉ. अनूप सिंह के साथ बैठक में टीम का मार्ग दर्शन किया गया। इस दौरान हिमांशु नाथ सिंह, अरुण सिंह, गीतेश गौड़ आदि लोग मौजूद रहे।

दी जानकारी

- **कृषि वैज्ञानिक व प्रशिक्षुओं ने किया फसल का अवलोकन**

किसानों को समस्या न हो- सीतापुर : कमलापुर गन्ना विकास परिषद की बोर्ड की बैठक कार्यालय पर आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता गन्ना परिषद के अध्यक्ष सूर्यभानु सिंह ने की। बैठक में गन्ना क्रय केंद्रों तौल के दौरान कोई भी धनराशि न लेने पर जोर दिया गया। चीनी मिलों को निर्देशित किया गया कि क्रय केंद्रों पर अलाव की व्यवस्था की जाए।